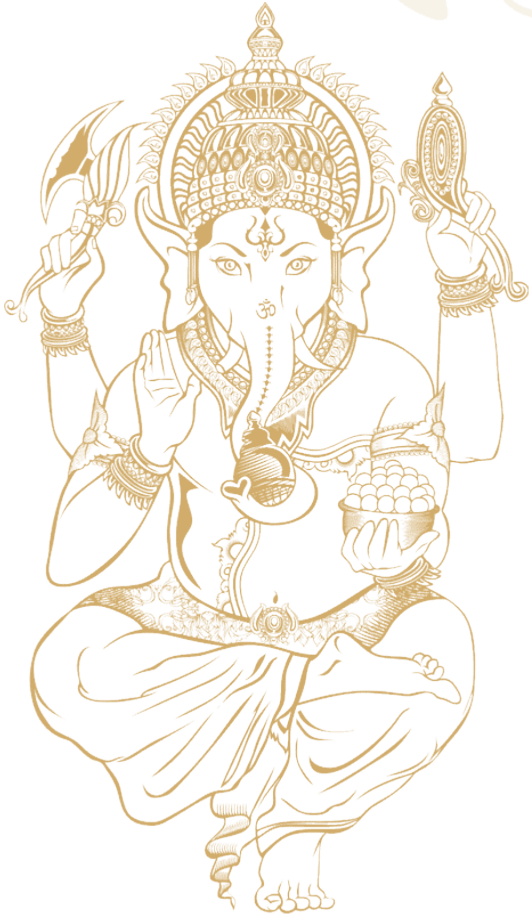

Ashutosh Kumar

14 Jan 2011

11:00 AM

Motihari

Model: web-freekundliweb

Order No: 121462503

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/01/2011**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**11:00:00 घंटे**
इष्ट	10:48:19 घटी
स्थान	**Motihari**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:40:00 उत्तर
रेखांश	84:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:09:40 घंटे
वेलान्तर	-00:08:52 घंटे
साम्पातिक काल	18:43:01 घंटे
सूर्योदय	06:40:40 घंटे
सूर्यास्त	17:18:04 घंटे
दिनमान	10:37:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	29:40:18 धनु
लग्न के अंश	20:53:03 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	साध्य
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूनेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	20:53:03	493:39:07	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	---
सूर्य			धनु	29:40:18	01:01:07	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	19:12:51	12:24:37	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
मंगल		अ	मक	04:38:34	00:46:51	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	उच्च राशि
बुध			धनु	06:52:43	01:11:59	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			मीन	04:30:59	00:09:52	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	स्वराशि
शुक्र			वृश्चि	12:54:28	01:03:07	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
शनि			कन्या	23:04:51	00:01:17	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	मित्र राशि
राहु			धनु	08:33:47	00:01:29	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	नीच राशि
केतु			मिथु	08:33:47	00:01:29	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	नीच राशि
हर्ष			मीन	03:18:02	00:01:55	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप			कुंभ	03:07:30	00:01:58	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	11:47:01	00:02:05	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
दशम भाव			धनु	15:52:23	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:58

लग्न-चलित

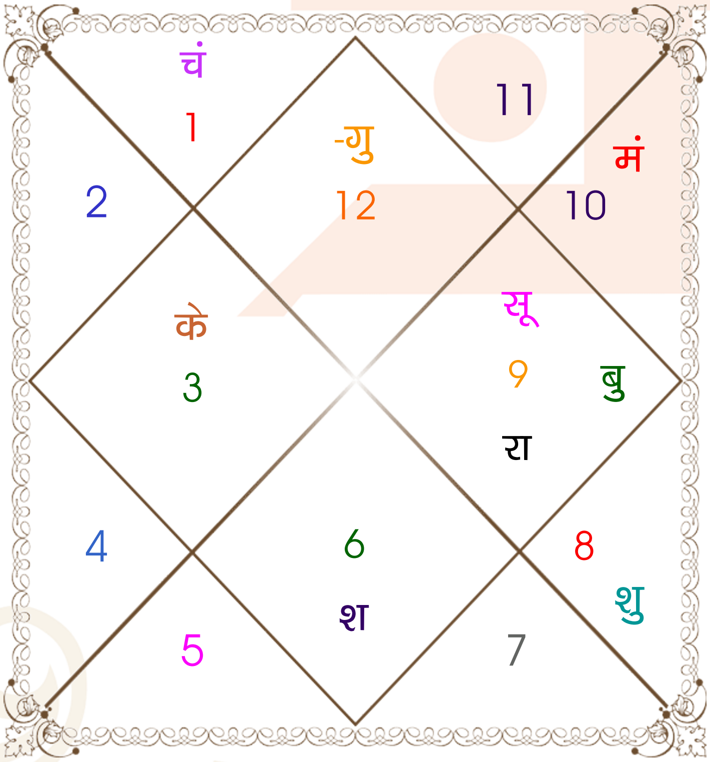

चन्द्र कुंडली

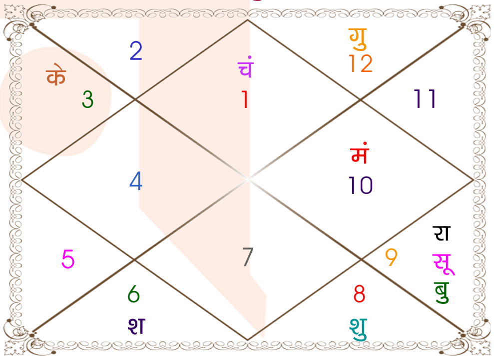

नवमांश कुंडली

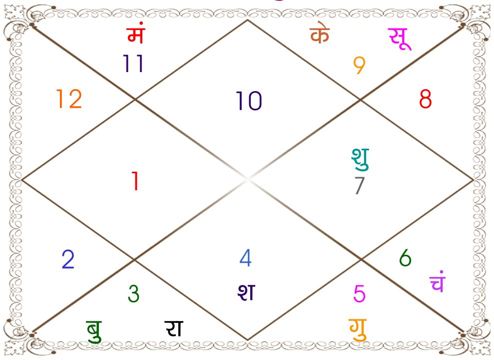

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 11 वर्ष 2 मास 4 दिन

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
14/01/2011	**20/03/2022**	**19/03/2028**	**20/03/2038**	**20/03/2045**
20/03/2022	**19/03/2028**	**20/03/2038**	**20/03/2045**	**20/03/2063**
00/00/0000	सूर्य 07/07/2022	चंद्र 18/01/2029	मंगल 16/08/2038	राहु 01/12/2047
00/00/0000	चंद्र 06/01/2023	मंगल 19/08/2029	राहु 04/09/2039	गुरु 25/04/2050
00/00/0000	मंगल 14/05/2023	राहु 18/02/2031	गुरु 09/08/2040	शनि 01/03/2053
14/01/2011	राहु 07/04/2024	गुरु 19/06/2032	शनि 18/09/2041	बुध 19/09/2055
राहु 19/05/2012	गुरु 24/01/2025	शनि 18/01/2034	बुध 16/09/2042	केतु 06/10/2056
गुरु 18/01/2015	शनि 06/01/2026	बुध 19/06/2035	केतु 12/02/2043	शुक्र 07/10/2059
शनि 20/03/2018	बुध 12/11/2026	केतु 19/01/2036	शुक्र 13/04/2044	सूर्य 31/08/2060
बुध 18/01/2021	केतु 20/03/2027	शुक्र 18/09/2037	सूर्य 19/08/2044	चंद्र 02/03/2062
केतु 20/03/2022	शुक्र 19/03/2028	सूर्य 20/03/2038	चंद्र 20/03/2045	मंगल 20/03/2063

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
20/03/2063	**20/03/2079**	**20/03/2098**	**21/03/2115**	**21/03/2122**
20/03/2079	**20/03/2098**	**21/03/2115**	**21/03/2122**	**00/00/0000**
गुरु 07/05/2065	शनि 23/03/2082	बुध 17/08/2100	केतु 17/08/2115	शुक्र 20/07/2125
शनि 19/11/2067	बुध 30/11/2084	केतु 14/08/2101	शुक्र 16/10/2116	सूर्य 21/07/2126
बुध 24/02/2070	केतु 09/01/2086	शुक्र 14/06/2104	सूर्य 21/02/2117	चंद्र 20/03/2128
केतु 30/01/2071	शुक्र 11/03/2089	सूर्य 20/04/2105	चंद्र 22/09/2117	मंगल 21/05/2129
शुक्र 30/09/2073	सूर्य 21/02/2090	चंद्र 20/09/2106	मंगल 18/02/2118	राहु 15/01/2131
सूर्य 20/07/2074	चंद्र 22/09/2091	मंगल 17/09/2107	राहु 09/03/2119	00/00/0000
चंद्र 19/11/2075	मंगल 31/10/2092	राहु 05/04/2110	गुरु 13/02/2120	00/00/0000
मंगल 25/10/2076	राहु 07/09/2095	गुरु 11/07/2112	शनि 24/03/2121	00/00/0000
राहु 20/03/2079	गुरु 20/03/2098	शनि 21/03/2115	बुध 21/03/2122	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 11 वर्ष 1 मा 12 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ मकर का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति से इस संयोजन की स्थापना हो रही है कि आपका जीवन आदर्श, संपन्न एवं प्रसन्नतम रहेगा।

आपकी राशि आपकी लाभजनक एवं अनुकूलता से युक्त संपूर्ण जीवन-यापन हेतु आपके हाथ को व्यवहार से युक्त बनाया गया है। यदि आप वासना के प्रति अपने मनोवृति को विमुख कर लें तथा अपनी इच्छा को मद्यपान लालच का परित्याग कर दें। पश्चात् यदि आप अपने जीवन में समझदारी से सफल व्यक्ति बन जाएंगे। आप विश्वसनीय धार्मिक, आदरणीय, अपने अभिभावक की दृष्टिकोण से समझे जाएंगे तथा आप धर्म नेता एवं संतों की सेवा के प्रति रूचिवान रहेंगे तथा अन्यों की दृष्टि में एक आदर्श प्राणी देखे जाएंगे।

इसमें संदेह नहीं कि आप अन्यों की संपत्ति को बिना अधिकृत किए हुए तथा बिना किसी की छत्र-छाया के धन संचय करेंगे। आप अपने पारिवारिक सदस्यों की मांग अर्थात् आवश्यकता की पूर्ति सदैव उनसे मिल कर करते रहोगे। सदैव आपकी अपनी उदारता के कारण अपने अपने मित्रों की सहायता करेंगे। परंतु कुछ लोग संगठित हो कर अकस्मात् आपकें सांसारिक सुख भोग में नीचता दिखावें। यदि आप इसको त्याग कर, लोगों की सहायता हेतु दान प्रदान के प्रति रूचिवान बन जाएं तब आप अपने उद्देश्य के अनुरूप ऊपर ऊठ जाएंगे तथा यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपका आदर्श मानव की सेवा ही भगवान की सेवा है। इन बातों में आप विश्वास करते हैं।

आप अपने मित्रों के उपर अंध विश्वास करने की प्रवृति का परित्याग करें। वास्तव में आपका मित्र सच्चे हैं एवं आप ऐसा अंगीकृत करते हो कि आपके मित्र पूर्णरूपेण आपके प्रति समर्पित हैं। अतएव आपकी आदत है कि ऐसा अनुभव करते हो कि ये लोग समय पर निश्चित रूप से मेरा समर्थन करेंगे। लेकिन आपको उस समय गंभीर आघात का अनुभव होगा जबकि वे मित्र अपनी वचन बद्धता के प्रतिकूल आचरण कर किसी भी प्रकार से किसी भी समय आपको किसी भी कार्य के योग्य नहीं समझेंगे। इसलिए आप अपने मित्रों के साथ सतर्कता पूर्वक व्यावसायिक व्यवहार हेतु अग्रसर होवे।

अपनी मदद स्वयं करना ही उत्तम सहयोग है। आपके पास इतनी बुद्धि और सामर्थ्य है कि आप अपनी समस्याओं स्वयं सुलझा सकते हैं। इसलिए आप अन्य की सहायता मत ले अन्यथा आप कालांतर में उनकी चंगुल में फंस जाएंगे। हर दशा में आवश्यक है कि आप अपनी कार्य योजना के पीछे पूर्ण आत्म विश्वास के साथ सुनिश्चित ढंग से अग्रसर हों। पुनः निश्चित रूप से आप अपना लाभांश प्राप्त कर लेंगे।

आप अपने संपूर्ण जीवन क्रम में तीन बार समस्याओं के साथ मुठभेड़ करेंगे। यह आयु आपके जीवन की 17 वर्ष, 21 वर्ष एवं 24 वर्ष में ऐसा प्रमाणित होगा कि आप भाग्यशाली नहीं है। इसलिए इस अवधि में ध्यान एवं सर्तकता पूर्वक अग्रसर होंवे। इसके पश्चात आपकी

आयु लंबी एवं भव्यता पूर्वक व्यतीत होगा।

आपके लिए व्यवसायों में अनुकूलता के अनुरूप धार्मिक संस्थाओं का प्रधान पद (प्रेस) मुद्रण कार्य, प्रचार कार्य एवं विज्ञापन कार्य, रेडियो टेलिफोन एवं ज्योतिषीय कार्य उत्तम प्रतीत होता है। यदि आपकी इच्छा हो, तो आप वकालत कार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य में चमत्कृत हो सकते हैं। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से दीर्घायु एवं स्वस्थ रहेंगे। लेकिन यदि मद्य पान अथवा धुम्रपान किए तो संभव है कि आप क्रमानुसार आंत्रशोध, अल्सर, वृक्कशोथ रोगादि से प्रभावित हो सकते हैं। अतः इस प्रकार की परिस्थिति उत्पन्न होने के पूर्व इसके संबंध में विचार करना चाहिए।

यह विचारणीय तथ्य नहीं है कि आपका अपना जीवन कैसा होगा। आप इस भावना के प्रति आश्वस्त रहे कि आपका घरेलू जीवन समझदार पत्नी एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होगा।

आप सर्वदा इस बिंदु को परित्याग करें कि आपके लिए अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल एवं अनुपयुक्त है। आपके लिए अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली एवं उत्तम है।

आपके लिए रंगों में गुलाबी रंग, लाल, नारंगी एवं पीला रंग अनुकूल प्रतीत होता है। आपके लिए स्पष्ट रूप से नीला रंग अग्राह्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में आपके लिए उत्तम दिन रविवार, सोमवार एवं गुरुवार का दिन अच्छा प्रमाणित होता है। इसके अतिरिक्त शेष दो दिन बुधवार एवं शनिवार सर्वथा प्रतिकूल है।